NEWS CLIPPING: 30.07.2019

AMAR UJALA

भविष्य में 'डिजिटल लर्निंग' ही शिक्षा का आधार बनेगी

कार्यशाला में जानकारी देते कुलपति दिनेश कुमार।

अमर उजाला ब्यूरो

डिजिटल लर्निंग से विद्यार्थियों में कौशल विकास निखारने मे मदद मिलेगी

फरीदाबाद। डिजिटल लर्निंग के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय में सोमवार को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षण विभागों और कॉलेजों में स्वयम और एनपीटीईएल प्लेटफार्म से यूजीसी के मुक्त आनलाइन पाठ्यक्रमों (मुक्स) के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने संबोधित किया।

समापन पर प्रो. दिनेश ने कहा कि डिजिटल लर्निंग भविष्य में शिक्षा का आधार होगा। जिसमें विद्यार्थियों को रुचि के अनुसार पढ़ने का मौका मिलता है। यहां तक कि शिक्षकों को भी ज्ञान और कौशल बढ़ाने में इससे मदद मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के प्रति प्रेरित करने की बात कही। कार्यशाला में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के शैक्षणिक संचार संकाय के निदेशक प्रो. जगत भूषण नड्डा उपस्थित रहे।

NEWS CLIPPING: 30.07.2019

PUNJAB KESARI

नई शिक्षा नीति 2019 के मसौदे पर संवाद सत्र

- विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति पर देगा अपनी राय
- नई नीति में शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता, व्यावसायिक शिक्षा, अनुसंधान तथा लिबरल आर्ट्स पर जोर

नई शिक्षा नीति 2019 के मसौदे पर संवाद सत्र की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। (छाया: एस शर्मा)

फरीदाबाद, 29 जुलाई(पूजा शर्मा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए द्वारा कुलपति प्रो. दिनेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को नई शिक्षा नीति 2019 के मसौदे पर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। संवाद सत्र में नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें उच्चतर शिक्षा संस्थानों की स्वायतता, व्यवसायिक शिक्षा पर बल, अनुसंधान, लिबरल आर्ट जैसे विषय शामिल थे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अंतर्गत शैक्षणिक संचार संकाय के निदेशक प्रो. जगत भूषण नड्डा सत्र में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित थे। नई शिक्षा नीति के मसौदे पर विश्वविद्यालय द्वारा विभागीय स्तर पर केंद्रीय समूह चर्चा का आयोजन भी किया जा रहा है, जिसमें विश्वविद्यालय विभिन्न सहयोगियों के साथ मिलकर नीति पर गंभीरता से विचार-विमर्श कर रहा है। इस चर्चा के उपरांत विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति पर अपने सुझाव केन्द्रीय मानव संसाधन मंत्रालय को भेजेगा। सत्र का संचालन डीन संस्थान डॉ. संदीप ग्रोवर द्वारा किया गया है, जिसमें उन्होंने नई शिक्षा नीति के मसौदे को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि किस तरह नई शिक्षा नीति से उच्चतर शिक्षा में नये बदलाव आयेंगे। सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति देश की शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव लेकर आयेगी।

नीति के मसौदे में राज्य विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में सभी शिक्षण विषयों में अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है। सभी विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष फंड की सिफारिश की गई है।

मसौदा नीति में उच्चतर शिक्षण संस्थानों की स्वायत्ता की सराहना करते हुए प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि नई नीति स्वतंत्र तथा स्वायत उच्चतर शिक्षण संस्थानों की पैरवी करती है। इसमें सभी उच्चतर शिक्षण संस्थानों के लिए 2030 तक नैक मान्यता प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह प्रशंसनीय है क्योंकि इससे इन संस्थानों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि मसौदा नीति में संबद्धता को समाप्त करने तथा संबद्ध महाविद्यालयों को स्वायत डिग्री संस्थानों के रूप में विकसित करने और संबद्ध विश्वविद्यालयों को बहु-विषयक संस्थानों के रूप में विकसित करने पर बल दिया गया है। सत्र को संबोधित करते हुए प्रो. जगत भूषण नड्डा ने नई शिक्षा नीति में 'राष्ट्रीयता' के पहलु को सराहनीय बताया और कहा कि शिक्षा समाज के उत्थान का एक माध्यम है इसलिए, शिक्षा प्रणाली की मूल्यांकन प्रक्रिया को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। संवाद सत्र में सभी डीन, विभागाध्यक्ष के अलावा वरिष्ठ संकाय सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर संकाय सदस्यों ने नई शिक्षा नीति के मसौदे के विभिन्न पहलुओं की सराहना की तथा नीति के विभिन्न प्रावधानों पर जानकारी ली।

पंजाब केसरी ई-पेपर Tue, 30 July 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/41949083

NEWS CLIPPING: 30.07.2019

HINDUSTAN

उच्चतर शिक्षा में नई शिक्षा नीति से बदलाव आएगा

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

संवाद सत्र

- नई शिक्षा नीति 2019 पर संवाद सत्र में विभिन्न पहलुओं पर मंथन
- संस्थानों की स्वायत्तता, अनुसंधान, लिबरल आर्ट को शामिल किया

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में सोमवार को नई शिक्षा नीति 2019 पर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इसमें बताया गया कि नई शिक्षा नीति से उच्चतर शिक्षा में नए बदलाव आ सकते हैं। इसमें उच्चतर शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता, व्यावसायिक शिक्षा पर बल, अनुसंधान, लिबरल आर्ट जैसे विषयों को शामिल किया गया था।

इस मौके पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के शैक्षणिक संचार संकाय के निदेशक प्रो. जगत भूषण नड्डा मुख्यवक्ता के रूप में मौजूद थे, जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार मौजूद रहे। इस दौरान सहयोगियों के साथ मिलकर नीतियों पर चर्चा की गई। वहीं, नई शिक्षा नीति पर सुझाव तैयार कर केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय को भेजेगा। कार्यक्रम का संचालन डीन डॉ. संदीप ग्रोवर ने किया। उन्होंने बताया, नई शिक्षा नीति से उच्चतर शिक्षा में नए बदलाव आ सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति ने बताया कि नई शिक्षा नीति देश की शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव लेकर आएगा। नीति के मसौदे में राज्य विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में सभी शिक्षण विषयों में अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने पर बल दिया गया है।

NEWS CLIPPING: 30.07.2019

DAINIK JAGRAN

एक नजर में

वाईएमसीए में संवाद सत्र का आयोजन

फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो .दिनेश कुमार की अध्यक्षता में सोमवार नई शिक्षा नीति 2019 के मसौदे पर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इसमें उच्चतर शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता, व्यवसायिक शिक्षा पर बल, अनुसंधान, लिबरल आर्ट जैसे विषय शामिल थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अंतर्गत शैक्षणिक संचार संकाय के निदेशक प्रो .जगत भूषण नड्डा सत्र में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित थे। प्रो .नड्डा ने नई शिक्षा नीति में राष्ट्रीयता के पहलू को सराहनीय बताया और कहा कि शिक्षा समाज के उत्थान का एक माध्यम है इसलिए, शिक्षा प्रणाली की मूल्यांकन प्रक्रिया को बेहतर बनाने की आवश्यकता है। कुलपति प्रो . दिनेश कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति देश की शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव लेकर आएगी। डीन संस्थान डॉ . संदीप ग्रोवर ने नई शिक्षा नीति के मसौदे को रेखांकित किया। (जासं)

NEWS CLIPPING: 30.07.2019

NAVBHARAT TIMES

नई शिक्षा नीति पर चर्चा

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में नई शिक्षा नीति के मसौदे पर संवाद सत्र का आयोजन किया गया। इस दौरान शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने की, जबकि प्रोफेसर जगत भूषण नड्डा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि नई शिक्षा नीति देश की शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा सकारात्मक बदलाव लेकर आएगी।

कार्यशाला हुई

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद: जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में यूजीसी के ऑनलाइन पाठ्यक्रमों व डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 50 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने कहा कि ऑनलाइन पाठ्यक्रम व डिजिटल लर्निंग भविष्य की शिक्षा प्रणाली का मुख्य आधार है।